Dainik Bhaskar, Surat, 10/03/2026
Page No: 2, Size: 11.69cm × 14.29cm

बुलेट ट्रेन के 6000 श्रमिकों को नुक्कड़ नाटक से सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएएसआरसीएल) ने 'प्रयास' नाम से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। 23 फरवरी से 7 मार्च तक चले इस अभियान के दौरान करीब 6000 श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के 40 निर्माण स्थलों पर हुआ। इनमें गुजरात के 24 और महाराष्ट्र के 16 स्थल शामिल हैं।

Dabang Duniya, Mumbai, 10/03/2026

Page No: 5, Size: 17.33cm × 15.82cm

नुक्कड़ नाटक के जरीय 6हजार श्रमिकों को दिया सुरक्षा का संदेश

नाकाबंदी व पेट्रोलिंग में 103 मामलों में हुई कार्रवाई

दबंग रिपोर्टर » मुंबई

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों पर हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तथा सुरक्षा के मद्देनजर नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) द्वारा नुक्कड़ नाटक श्रृंखला 'प्रयास' का आयोजन किया गया। 23 फ़रवरी से 7 मार्च 2026 तक चले इस अभियान के दौरान मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के विभिन्न निर्माण स्थलों पर लगभग 6हजार श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा का संदेश दिया गया।दस दिनों तक चली इस श्रृंखला के माध्यम से श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा रोचक और प्रभावी प्रस्तुतियों के जरिए हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज और पीपीई (Personal Protective Equipment) किट जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस पहल के अंतर्गत पूरे कॉरिडोर के 40 निर्माण स्थलों को शामिल किया गया, जिनमें गुजरात के 24 तथा महाराष्ट्र के 16 निर्माण स्थल शामिल हैं। इन स्थलों में स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो, पुल और वायाडक्ट जैसे निर्माण कार्यस्थल सम्मिलित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं।इन नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण और व्यवहारिक सुरक्षा संदेश भी दिए गए, जिनमें स्वयं और सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाना, शॉर्टकट से बचना और निर्धारित नियमों का पालन करना, बिना प्रशिक्षण के कार्य न करना, कार्य प्रारंभ करने से पहले संभावित जोखिमों का आकलन करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सावधानी बनाए रखना शामिल है। पिछले तीन वर्षों से बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण स्थलों पर आयोजित की जा रही यह पहल श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रही है। इसके माध्यम से श्रमिकों को यह संदेश दिया जा रहा है कि नियमों और सावधानियों का पालन करते हुए ही सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ कार्य किया जा सकता है।

Yeshobhumi, Mumbai, 10/03/2026
Page No: 14, Size: 23.92cm × 19.34cm

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छह हजार श्रमिकों को दिया गया सुरक्षा का संदेश

यशोभूमि/संवाददाता

ठाणे। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा नुक्कड़ नाटक श्रृंखला 'प्रयास' का आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के विभिन्न निर्माण स्थलों पर लगभग छह हजार श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा का संदेश दिया गया। इस श्रृंखला के माध्यम से श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

सुरक्षा के महत्व को समझाया गया

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा रोचक और प्रभावी प्रस्तुतियों के जरिए हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज और पीपीई किट जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस पहल के अंतर्गत पूरे कॉरिडोर के 40 निर्माण स्थलों को शामिल किया गया, जिनमें गुजरात के 24 तथा महाराष्ट्र के 16 निर्माण स्थल शामिल हैं। इन स्थलों में स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो, पुल और वायाडक्ट जैसे निर्माण कार्यस्थल सम्मिलित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। इन नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण और व्यवहारिक सुरक्षा संदेश भी दिए गए, जिनमें स्वयं और सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाना, शॉर्टकट से बचना और निर्धारित नियमों का पालन करना, बिना प्रशिक्षण के कार्य न करना, कार्य प्रारंभ करने से पहले संभावित जोखिमों का आकलन करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सावधानी बनाए रखना शामिल है।

Do Baje Dopahar, Mumbai, 10/03/2026
Page No: 5, Size: 21.93cm × 14.21cm

नुक्कड़ नाटक के जरिए 6 हजार श्रमिकों को सुरक्षा का मंत्र

बुलेट ट्रेन परियोजना

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण स्थलों पर कार्यरत हजारों श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने 'प्रयास' नामक एक विशेष नुक्कड़ नाटक श्रृंखला का आयोजन किया। 23 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक चले इस दस दिवसीय अभियान के दौरान कॉरिडोर के विभिन्न स्थलों पर लगभग 6,000 श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के बीच एक सुरक्षित कार्य संस्कृति को विकसित करना और उन्हें यह समझाना था कि उनकी सुरक्षा ही परियोजना की असली सफलता है।

40 निर्माण स्थलों पर कला के माध्यम से जागरूकता

इस अभियान के अंतर्गत गुजरात के 24 और महाराष्ट्र के 16, यानी कुल 40 निर्माण स्थलों को कवर किया गया। इनमें स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो और पुल जैसे महत्वपूर्ण कार्यस्थल शामिल थे। कलाकारों ने अपनी प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रमिकों को हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज़ और पीपीई (PPE) किट जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों के महत्व को समझाया। नाटकों के जरिए यह संदेश दिया गया कि सुरक्षा उपकरणों का सही उपयोग न केवल नियमों का पालन है, बल्कि जीवन की रक्षा के लिए अनिवार्य है।

Ulhas Vikas, Mumbai, 10/03/2026
Page No: 4, Size: 14.61cm × 29.02cm

'प्रयास' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के माध्यम से

6 हजार श्रमिकों को दिया गया सुरक्षा का संदेश

ठाणे. मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों पर हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तथा सुरक्षा के महत्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) द्वारा नुक्कड़ नाटक श्रृंखला 'प्रयास' का आयोजन किया गया। 23 फ़रवरी से 7 मार्च 2026 तक आयोजित इस अभियान के दौरान मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के विभिन्न निर्माण स्थलों पर लगभग 6हजार श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा का संदेश दिया गया। दस दिनों तक चली इस श्रृंखला के माध्यम से श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा रोचक और प्रभावी प्रस्तुतियों के जरिए हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज़ और पीपीई (Personal Protective Equipment) किट जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस पहल के अंतर्गत पूरे कॉरिडोर के 40 निर्माण स्थलों को शामिल किया गया, जिनमें गुजरात के 24 तथा महाराष्ट्र के 16 निर्माण स्थल शामिल हैं। इन स्थलों में स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो, पुल और वायाडक्ट जैसे निर्माण कार्यस्थल सम्मिलित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं।इन नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण और व्यवहारिक सुरक्षा संदेश भी दिए गए, जिनमें स्वयं और सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाना, शॉर्टकट से बचना और निर्धारित नियमों का पालन करना, बिना प्रशिक्षण के कार्य न करना, कार्य प्रारंभ करने से पहले संभावित जोखिमों का आकलन करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सावधानी बनाए रखना शामिल है।

Divya Bhaskar, Ahmedabad, 10/03/2026
Page No: 2, Size: 22.30cm × 25.43cm

Safety awareness through role-plays at bullet train site

બુલેટ ટ્રેન સાઈટ પર પ્રયત્ન નાટકો દ્વારા સુરક્ષા જાગૃતિ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | અમદાવાદ

મુંબઈ અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના નિર્માણ સ્થળોએ કામદારો માટે સુરક્ષા જાગૃતિ વધારવા નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડ દ્વારા નુક્કડ નાટક શ્રેણી પ્રયત્ન યોજાઈ. 23 ફેબ્રુઆરીથી 7 માર્ચ 2026 સુધી ચાલેલા અભિયાનમાં આશરે 6 હજારથી વધુ કામદારો સુધી કાર્યસ્થળની સલામતીના સંદેશો પહોંચાડાયા. કલાકારોની રજૂઆતમાં હેલ્મેટ, હાર્નેસ બેલ્ટ, સેફ્ટી શૂઝ અને પીપીઈ કિટ ફરજિયાત ઉપયોગ પર ભાર મૂકાયો. કોરિડોરના કુલ 40 સ્થળોમાં ગુજરાતના 24 અને મહારાષ્ટ્રના 16 સ્થળો આવરી લેવાયા. પહેલીવાર આ પ્રકારનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. સંસ્થા દ્વારા નક્કી કરાયું છે, કે દર 6 મહિને આ પ્રકારનું આયોજન કરવામાં આવશે. નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડના કાર્યક્રમ, આ કાર્યક્રમમાં મોટી સંખ્યામાં લોકોએ ભાગ લીધો હતો.

Divya Bhaskar, Vapi, 10/03/2026
Page No: 4, Size: 28.92cm × 26.64cm

Bullet train workers were taught safety and security lessons

શેરી નાટક શ્રેણી • વાપી સહિત બૂલેટ ટ્રેનના ચાલતા કામોના સ્થળે સલામતીનું પ્રોત્સાહન

બૂલેટ ટ્રેનના કામદારોને સુરક્ષા અને સલામતીના પાઠ શિખવામાં આવ્યાં

ભાસ્કરન્યૂઝ | વાપી

મુંબઈ–અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના વિવિધ નિર્માણ સ્થળોએ હજારો કામદાર કાર્યરત છે.કામદારોની સુરક્ષાને પ્રાથમિકતા આપતી અને સલામતીના અભ્યાસની મહત્વતા મજબૂત કરતી નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડ (એનએચએસઆરસીએલ)એ તેના નિર્માણ સ્થળોએ નુક્કડ નાટક શ્રેણી 'પ્રયાસ' આયોજિત કરી હતી.આ અભિયાન દરમિયાન, જે 23 ફેબ્રુઆરી થી 7 માર્ચ 2026 સુધી યોજાયું હતું.

વાપીના ડુંગરા બૂલેટ ટ્રેનના સ્થળ સહિત ગુજરાતના વિવિધ નિર્માણ સ્થળોના આશરે 6,000 કામદારોને કાર્યસ્થળની સુરક્ષાના વિષયમાં જાગૃત કરવામાં આવ્યું હતું.આ દસ દિવસીય શ્રેણી દ્વારા, કામદારોને નિર્માણ સ્થળોએ સલામતી જાળવવાની મહત્વતા વિશે જાણકારી આપી.કાર્યક્રમ દરમિયાન, કલાકારો સંલગ્ન અને પ્રભાવશાળી પ્રસ્તુતિઓ રજૂ કરતા રહ્યા, જેમાં કામદારને હેલ્મેટ, હાર્નેસ બેલ્ટ, સેફ્ટી શૂઝ અને પીપીઈ (પર્સનલ પ્રોટેક્ટિવ એક્વિપમેન્ટ) કિટ્સ જેવા સલામતી સાધનો ફરજિયાત રીતે ઉપયોગ કરવા પ્રોત્સાહિત કરવામાં આવ્યા.

આ પહેલ હેઠળ, કોરિડોરમાં 40 નિર્માણ સ્થળોને આવરી લેવામાં આવ્યું હતું.જેમાં ગુજરાતમાં 24 અને મહારાષ્ટ્રમાં 16 સ્થળો શામેલ છે. આ નુક્કડ નાટકો દ્વારા, કામદારને અનેક

મહત્વપૂર્ણ અને વ્યવહારુ સલામતી સંદેશાઓ આપવામાં આવ્યા, જેમ કે પોતાની અને સહકર્મચારીઓની સુરક્ષાની જવાબદારી લેવી, શોર્ટકટ્સ ટાળવી અને નિર્ધારિત સલામતી નિયમોનું પાલન કરવું, યોગ્ય તાલીમ વગર કામ ન કરવું, કામ શરૂ કરવા પહેલા સંભવિત જોખમોનું મૂલ્યાંકન કરવું, અને કાર્યસ્થળ પર સ્વચ્છતા અને સાવધાની જાળવવી.

આ પહેલ જે છેલ્લા ત્રણ વર્ષથી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના નિર્માણ સ્થળોએ આયોજિત કરવામાં આવી રહી છે.કામદારમાં સલામતી જાગૃતિ વધારવા અને સુરક્ષિત કાર્યપ્રણાલીની સંસ્કૃતિ મજબૂત બનાવવા માટે અસરકારક પગલું સાબિત થઈ રહી છે.તે સંદેશાને મજબૂત કરે છે કે કામ ફક્ત સલામતી નિયમો અને સાવચેતીઓનું પાલન કરીને જ સુરક્ષિત અને આત્મવિશ્વાસપૂર્વક કરવામાં આવી શકે છે.

Divya Bhaskar, Navsari, 10/03/2026
Page No: 3, Size: 30.88cm × 23.42cm

Bullet train workers were taught safety and security lessons

વાપી સહિત બૂલેટ ટ્રેનના ચાલતા કામોના સ્થળે સલામતી સાધનો ફરજિયાત રીતે ઉપયોગ કરવા પ્રોત્સાહિત કરાયા

બૂલેટ ટ્રેનના કામદારોને સુરક્ષા અને સલામતીના પાઠ શીખવવામાં આવ્યાં

ભાસ્કર ન્યૂઝ | નવસારી, વાપી

મુંબઈ–અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના વિવિધ નિર્માણ સ્થળોએ હજારો કામદાર કાર્યરત છે.કામદારોની સુરક્ષાને પ્રાથમિકતા આપતી અને સલામતીના અભ્યાસની મહત્વતા મજબૂત કરતી નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડ (એનએચએસ આરસીએલ)એ તેના નિર્માણ સ્થળોએ નુક્કડ નાટક શ્રેણી 'પ્રયાસ' આયોજિત કરી હતી.આ અભિયાન દરમિયાન, જે 23 ફેબ્રુઆરી થી 7 માર્ચ 2026 સુધી યોજાયું હતું.

વાપીના ડુંગરા બૂલેટ ટ્રેનના સ્થળ સહિત ગુજરાતના વિવિધ નિર્માણ સ્થળોના આશરે 6,000 કામદારોને કાર્યસ્થળની સુરક્ષાના વિષયમાં જાગૃત કરવામાં આવ્યું હતું.આ દસ દિવસીય શ્રેણી દ્વારા, કામદારોને નિર્માણ સ્થળોએ સલામતી જાળવવાની મહત્વતા વિશે જાણકારી આપી.કાર્યક્રમ દરમિયાન, કલાકારો સંલગ્ન અને પ્રભાવશાળી પ્રસ્તુતિઓ રજૂ કરતા રહ્યા, જેમાં કામદારને હેલ્મેટ, હાર્નેસ બેલ્ટ, સેફ્ટી શૂઝ અને પીપીઈ (પર્સનલ પ્રોટેક્ટિવ એક્વિપમેન્ટ) કિટ્સ જેવા સલામતી સાધનો ફરજિયાત રીતે ઉપયોગ કરવા પ્રોત્સાહિત કરવામાં આવ્યા.

આ પહેલ હેઠળ, કોરિડોરમાં 40 નિર્માણ સ્થળોને આવરી લેવામાં આવ્યું હતું.જેમાં ગુજરાતમાં 24 અને મહારાષ્ટ્રમાં 16 સ્થળો શામેલ છે. આ નુક્કડ નાટકો દ્વારા, કામદારને અનેક મહત્વપૂર્ણ અને વ્યવહારુ સલામતી સંદેશાઓ આપવામાં આવ્યા, જેમ કે પોતાની અને સહકર્મચારીઓની સુરક્ષાની જવાબદારી લેવી, શોર્ટકટ્સ ટાળવી અને નિર્ધારિત સલામતી નિયમોનું પાલન કરવું, યોગ્ય તાલીમ વગર કામ ન કરવું, કામ શરૂ કરવા પહેલા સંભવિત જોખમોનું મૂલ્યાંકન કરવું, અને કાર્યસ્થળ પર સ્વચ્છતા અને સાવધાની જાળવવી.